लेकर शहरयार तक सभी के कलाम भावी पीढ़ी के लिए संजोकर रखा है, विविध भारती ने। शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में पंडित डी वी पलुस्कर, भीमसेन जोशी, पंडित रविशंकर से लेकर आज के जानेमाने संगीतज्ञों की सांगीतिक रचनाओं का भण्डार विविध भारती के पास सुरक्षित है।

संगीत के दीवानों के लिए विविध भारती ऐसा मंच है, जहां फिल्मी संगीत से जुड़े सभी कलाकारों की कृतियां सुनने को मिलती हैं। नौशाद, ओ पी नय्यर, सी रामचन्द्र, रोशन, शंकर जयकिशन, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, कल्याण जी आनंद जी, खैय्याम और वसंत देसाई जैसे अनेकों संगीतकारों की रचनाओं की रोचक जानकारियां भी संजोयी हुई हैं। इन सभी के साक्षात्कार विविध भारती से ही सुनने को मिलते हैं। कौन सा गाना कैसे बना, रिकॉर्डिंग के समय क्या-क्या हुआ, किसने क्या कहा, और कौन सी राग रागिनी पर गाना बना है, गीत को फिल्माने के समय हीरो हीरोइन की क्या प्रतिक्रिया रही, इन सब बातों का लेखा-जोखा विविध भारती के जखीरे में आपको मिलेगा। एक प्रकार से आधी सदी का संगीत महाग्रंथ तैयार किया है, विविध भारती ने इन सब रोचक प्रसंगों के जरिए। इसी प्रकार अशोक कुमार और लीला चिटनिस से लेकर रेखा, और प्रियंका चोपड़ा तक सभी नामी गिरामी फिल्मी हस्तियों की आवाजें विविध भारती के संग्रहालय में सुरक्षित हैं। स्थापना के कुछ ही वर्षों में विविध भारती लोगों का सबसे पसंदीदा चैनल बन गया। वर्ष 1967 में विविध भारती से विज्ञापनों का प्रसारण शुरू हुआ जो कि अहम व्यावसायिक निर्णय साबित हुआ। विज्ञापनों के माध्यम से रेडियो की आमदनी बढ़ाने का एक यह नायाब और अहम तरीका था। इससे न केवल विविध भारती की बल्कि पूरे आकाशवाणी की आर्थिक उन्नति और प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ। रेडियो के विज्ञापनों के माध्यम से देश के हर छोटे-बड़े स्थान पर तमाम तरह की जानकारियां पहुंचाई जाने लगीं। ये विज्ञापन व्यापारियों के साथ-साथ देशवासियों के लिए भी हितकारी साबित हुए। विविध भारती की लोकप्रियता के कारण कंधे पर लटकता रेडियो गली मुहल्लों की शान बन चुका था। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में दहेज में रेडियो की मांग पहली पसंद हुआ करती थी।

विविध भारती से प्रसारित अनेक कार्यक्रमों में फौजी भाइयों के लिए प्रस्तुत जयमाला का विशेष महत्व है। सीमाओं पर तैनात या अन्यत्र सेवा पर डटे फौजी जवान इस कार्यक्रम के माध्यम से अपने दिल की बात प्रियजनों के पास पहुंचाया करते थे। गीत भी उन्हीं की पसंद के होते थे। शनिवार को कोई फिल्मी हस्ती ये कार्यक्रम अपनी आवाज में पेश करती थी। रविवार को फौजी भाइयों का संदेश सुना जाता था। प्रसिद्ध अभिनेत्री स्वर्गीय नरगिस ने विविध भारती पर जयमाला का पहला कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। इसके बाद फौजी भाइयों के इस लोकप्रिय कार्यक्रम को आशा पारेख, माला सिन्हा, वहीदा रहमान, हेमामालिनी से लेकर अमृता राव तक अनेक अभिनेत्रियां प्रस्तुत कर चुकी हैं। जयमाला से फौजियों का विशेष लगाव को देखते हुए 1999 में करगिल युद्ध के समय हेलो करगिल नाम का कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसके जरिये फौजियों के परिजन अपने संदेश उन तक पहुंचाते थे, साथ ही देश की भावना भी फौजियों तक पहुंचाकर उनका मनोबल बढ़ाया जाता था।

विविध भारती का हवामहल भी बहुत लोकप्रिय हुआ। यह एक यादगार कार्यक्रम है जो अभी भी बड़े प्रेम से सुना जाता है। इसमें लघु नाटिकाएं और प्रहसन प्रस्तुत किए जाते हैं। एक समय असरानी, ओमपुरी, अमरीशपुरी एवं दीना पाठक जैसे थियेटर के दिग्गज कलाकार हवामहल पर अपनी प्रस्तुतियां दिया करते थे। इसी प्रकार एक अन्य कार्यक्रम उजाले उनकी यादों में काफी सराहा गया। इस कार्यक्रम में प्रारम्भ से लेकर आज तक के सभी जाने माने लोगों का परिचय कराया जाता है और उनकी यादों को ताजा किया जाता है। संगीत सरिता के माध्यम से विविध भारती ने सुर का ज्ञान श्रोताओं तक पहुंचाने का प्रयास किया है साथ ही संगीत की बारीकियों को संगीत का ज्ञान रखने वाले प्रसिद्ध कलाकारों ने श्रोताओं तक पहुंचाने का प्रयास किया है। विविध भारती ने महिलाओं के लिए 15 वर्ष पहले विशेष रूप से सखी सहेली कार्यक्रम का प्रसारण शुरू किया था, जो आज भी उनका पसंदीदा कार्यक्रम बना हुआ है। इसमें फैशन, जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां रोचक शैली में दी जाती हैं।

विविध भारती की लोकप्रियता से प्रभावित होकर संगीत प्रेमियों ने जगह-जगह रेडियो श्रोता संघ बनाने की पहल की। विविध भारती ने भी इसको पर्याप्त प्रोत्साहन दिया। फरमाइशी कार्यक्रम में श्रोताओं के नाम पढ़े जाने से लोगों को बड़ी खुशी होती थी। झुमरी तलैया कस्बे का परिचय देशवासियों को इन्हीं श्रोतासंघों की सक्रियता से मिला। विविध भारती पर फरमाइश करने वाले अधिकांश श्रोता झुमरी तलैया, राजनंदगांव, भाटापारा, धमतरी, रायबरेली, जबलपुर, इन्दौर और इटावा आदि कस्बों और शहरों के हुआ करते थे। भारत के ये शहर विविध भारती के खतों की खातिर ही जगप्रसिद्ध हुए।

एफ एम प्रसारण की सुलभता और लोकप्रियता के स्वरूप आज अनेक चैनल रेडियो पर प्रसारित किए जाते हैं, परन्तु विविध भारती की जो शालीनता और सादगी है, उसकी कोई तुलना नहीं। विविध भारती पूरे भारत में प्रसारित होने वाला आज भी सबसे लोकप्रिय चैनल है। माना कि इंटरनेट के दौर में आज विविध भारती के लिए कुछ चुनौतियां हैं, फिर भी रेडियो का एक अलग छोटा जगत है। कई बार केवल कानों से सुनना दिल को ज्यादा भाता है। ऐसे अनेक लोग हैं, जो बिना रेडियो सुने सो नहीं सकते। कार स्टार्ट करते ही सबसे पहले रेडियो ऑन किया जाता है और विविध भारती पहली पसंद होती है, क्योंकि इसमें गीत संगीत के साथ ही समय-समय पर समाचार भी प्रसारित किए जाते हैं, इससे श्रोता अपटेड रहते हैं। ■